बुर्फू में जनम लियो हरि सिंह जंगपांगी

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 22 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 6 नवम्बर 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

(बायें से दायें) श्री धरम सिंह जंगपांगी, श्री हरि सिंह जंगपांगी
श्री नरसिंह जंगपांगी एवम् प्रेमसिंह जंगपांगी (1947 में स्वतंत्रता के पश्चात फुर्सत के क्षण)

मल्ला दुम्मर में तीन दिवसीय हरि प्रदर्शनी में सेनानियों का स्मरण

डॉ.पंकज उप्रेती

सीमान्त क्षेत्र मुन्स्यार के मल्ला दुम्मर में प्रतिवर्ष होने वाली हरिप्रदर्शनी इस बार भी तीन दिन के लिये उत्साह से भरी है। यह प्रदर्शनी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.हरि सिंह जंगपांगी की याद में की जाती है जिसमें जोहार के सभी स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण होता है। साथ ही अपने पारम्परिक हस्तशिल्प, कुटीर एवं लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने की दिशा में ठोस पहल है। यह सांस्कृतिक श्रेणी में भी अभी तक विशुद्ध रूप का आयोजन है, जिसमें क्षेत्रवासी अपने आप से स्वत: स्फूर्त जुड़ते हैं।

आयोजन की पृष्ठभूमि में जाएं तो पता चलता है कि आजादी के बाद से नियमित रूप से बिना किसी सरकारी सहायता के दूरस्थ क्षेत्र में इतना शानदार आयोजन हो रहा है। इसके लिये बुजुर्गों द्वारा बनाई गई हरि स्मारक समिति लगातार लोगों को जोड़ने का कार्य कर रही है। बीते वर्ष इसके नये भवन का उद्घाटन भी हो चुका है। क्षेत्र जंगपांगी बन्धुओं की दृढ़ता से यह वृहद आयोजन लगातार है जिसमें सभी का बराबर सहयोग मिलता है। आयोजन को लेकर दुम्मर के अलावा आसपास के सभी ग्रामों से लोग झूमते हुए पहुँचते हैं और जीवन्त हो उठती है संस्कृति। माइग्रेशन के समय में जोहार से भी लोग वापस लौट रहे होते हैं और नौकरी पेशा या प्रवासी भी इस आयोजन का इन्तजार करते हुए भागीदारी करते हैं। हरि प्रदर्शनी को लेकर 'पिघलता हिमालय' शुरु से ही सजग रहा है और आज भी 46 साल से नियमित रूप से इससे जुड़ा है। हरि प्रदर्शनी से जुड़ी अनगिनत यादें इस अखबार में हैं। प्रदर्शनी का वह दौर जब प्रदर्शनी में पशुओं, ऊनी सामान, जड़ी बूटी व अन्य सामग्री की भरमार होती थी दूसरी ओर आयोजन के नेत्र सिंह ल्वांल जैसे कलाकारों का इन्तजार रहता था। स्टाल के लिये छोटे-छोटे टैंट (आर्मी वाले), तख्ती-बल्लियां लगाने में युवा जुटते थे और महिलाओं का दल दुस्का लगाकर मग्न होता था। धीरे-धीरे स्थितियां बदलती रहीं लेकिन पीढ़ी दर पीढ़ी लोग इसमें जुड़ते रहे और आज तक यह परम्परा बरकरार है। इसे बनाने-निभाने के लिये आज भी वरिष्ठ जन उसी तल्लीनता से जुटे हैं और युवाओं का प्रतिभाग सराहनीय है। हरि स्मारक समिति के संरक्षक गंगा सिंह जंगपांगी, अध्यक्ष किशन सिंह जंगपांगी, सचिव भूपेन्द्र सिंह जंगपांगी के अलावा ललित सिंह जंगपांगी, हीरा सिंह जंगपांगी, भूपेन्द्र सिंह जंगपांगी, युवा प्रधान पंकज वृजवाल, मनोज जंगपांगी, मनोज धर्मशक्तू धाम सिंह बुर्फाल, लोकबहादुर जंगपांगी, वीरेन्द्र सिंह, मंगल सिंह जंगपांगी, गोकर्ण सिंह मर्तोलिया, प्रहलाद सिंह बुर्फाल, मनोज सिंह धर्मशक्तू सहित तमाम लोग इसमें सहयोगी हैं। विजय सिंह जंगपांगी, प्रहलाद सिंह जंगपांगी, गोविन्द सिंह जंगपांगी, प्रेम सिंह जंगपांगी, नरेन्द्र सिंह जंगपांगी, उत्तम सिंह जंगपांगी, रमेश सिंह जंगपांगी, सत्यवान सिंह जंगपांगी, आनन्द सिंह जंगपांगी, मनोज जंगपांगी सहित बहुत लम्बी सूची है जो आयोजन की सफलता में अग्रणीय हैं। इस बार हरि प्रदर्शनी का शुभारम्भ स्वच्छता अभियान के साथ हुआ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा। प्रभातफेरी के बाद नर सिंह स्मृति खेलकूद व बच्चों की प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। स्थानीय कुटीर व लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने वाली हरि प्रदर्शनी में फूल मालाओं, सब्जी, फल से लेकर ऊनी वस्त्र दन-कालीन तक लगाए गये। इस अवसर पर मल्ला जोहार विकास समिति की वार्षिक बैठक में जोहार के हालातों व समस्याओं पर चर्चा हुई।

(विस्तृत रिपोर्ट अगले अंक में)

खड़े हुए (बायं से दाएं). सर्व श्री जगत सिंह पांगती, माधो सिंह जंगपांगी, भवान सिंह धर्मशक्तू (भागवतानन्द), दुर्गा सिंह पांगती, त्रिलोक सिंह पांगती
कुर्सी पर बैठे हुए (बायं से दाएं). सर्व श्री वद्री दत्त पाण्डे, डा0 राम मनोहर लोहिया, हरगोविन्द पंत, दुर्गा सिंह रावत
खड़े हुए (बायं से दाएं). सर्व श्री प्रताप सिंह मर्तोलिया, त्रिलोक सिंह बृजवाल,गोपाल सिंह मर्तोलिया, हरी सिंह जंगपांगी, नरी राम.

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

जमरानी बांध मंजूरी में श्रेय की होड़

लम्बे इन्तजार के बाद जमरानी बांध की आश पूरी होने जा रही है। केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री कृषि, सिंचाई योजना त्वरित सिंहचाई लाभ कार्यक्रम (पीएमकेएसवाई) के तहत हल्द्वानी के रानीबाग क्षेत्र स्थित जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना को शामिल करने की मंजूरी दे दी है। इससे नैनीताल, उधमसिंह नगर और उत्तर प्रदेश के रामपुर तथा बरेली जिलों को ५७ हजार हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई के साथ हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों को ४२.७० मीलियन क्यूसिक मीटर पीने का पानी मिलेगा। इससे १२ लाख से ज्यादा आबादी लाभान्वित होगी। इससे १४ मेगावाट जल विद्युत उत्पादन भी होगा।

जमरानी बांध परियोजना को मंजूरी पर श्रेय लेने की होड़ भी मची हुई है। यदि जमारी बांध के इस मामले की बांत करें तो इन्दिरा गांधी जब देश की प्रधानमंत्री थीं मुख्यमंत्री हेमवती नन्दन बहुगुणा ने मिलकर इस योजना को स्वीकृत कराया था। यूपी के मुख्यमंत्री बीर बहादुर सिंह ने के.सी.पन्त के साथ आकर इसका शिलान्यास भी किया। केसी पन्त और एनडी तिवारी के अहं टकराव से मामला लटका होने की चर्चा होती रही। बांध की मांग को लेकर बड़े आन्दोलन हुए। पूर्व कबीना मंत्री और कालाढूंगी विधानसभा सीट के विधायक इस आन्दोलन से उपजे हैं। किसानों के आन्दोलन से भगत को पहचान मिली। कुमाऊँ न्याय मंच के बैनर तले बलवन्त सिंह चुफाल के नेतृत्व में वृहद आन्दोलन हुआ। पिछले वर्षों में प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के एन.सी.तिवारी, नवीन चन्द्र वर्मा के नेतृत्व में लगातार आवाज उठाई जा रही थी। अब केन्द्र की स्वीकृति के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। मंजूरी को सीएम धामी के प्रयास बताये जा रहे हैं वहीं रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट के प्रयास भी। सत्ता दल के नेता इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए बयान दे रहे हैं। विपक्ष के नेता इसे अपनी रखी नींव बता रहे हैं। अब श्रेय चाहे कोई ले यह कार्य समय की जरूरत थी जिसका स्वागत होना चाहिये।

फसक

दाज्यू, चुरड़ों का अपना नेटवर्क होने वाला ठैरा

रोटी और गोटी के लिये शुभ-अशुभ विचार नहीं करते है बल

दाज्यू, बब्बू चौधरी के नारे लग रहे हैं। हरिद्वार से लेकर पुलभट्टा तक होर्डिंग भी लगने लगे हैं। उत्तराखण्ड राज्य का घोर विरोध बब्बू इस बार चुनाव में दो-दो हाथ करने की बात कर चुका है। दाज्यू, नेता लोग रोटी और गोटी के लिये शुभ-अशुभ विचार नहीं करते हैं बल। लोकतन्त्र में सब अपने भाग्य विधाता हुए। पिछले दिन उत्तराखण्ड पुलिस का फेसबुक पेज हैक कर अश्लील डीपी लगा दी थी। शिकायत मिलने पर मामले का निपटारा हुआ। पुलिस अपना काम करती रहे, चुरड़ों का अपना नेटवर्क होने वाला ठैरा।

इस बार विजयदशमी क्या हुई, पुतले ही पुतले। कांग्रेस ने भाजपा का पुतला जलाया और कर्मचारियों ने नई पेंशन का। मोदी ज्यू भी कहने लगे- 'देश बांटने वाली ताकतों का दहन करें।' दाज्यू, दुनिया के हालात देखकर हमारे कलेजे में दहा हो रही है। सोच रहे हैं केदारनाथ की ध्यान गुफा में चले जाएं। सुना है मोदी ज्यू के बाद से 52 श्रद्धालुओं ने गुफा में साधना कर ली।

समय का कुछ पता नहीं कब क्या होने वाला है। दशाईथल में रामलीला के दौरान भजपा नेता का कुछ लोगों से विवाद हो गया। मामले में दोनों ओर से रिपोर्ट हुई। रुद्रपुर से हल्द्वानी पहुँची दो युवतियों ने नशे में हंगामा कर डाला। पुलिस ने कार सीज कर दी, जिसमें दो दो युवक और दो युवतियां धुत्त होकर वाहन चला रहे थे और हंगामा कर रहे थे। दस-पाँच ग्राम स्मैक-चरस वाले मामले तो लगे ठैरे दाज्यू। रुद्रपुर पुलिस को पता नहीं किसकी नज़र लग गई है। दिन-रात बबाल मचा हुआ है। रम्पुरा चौकी में दरोगा ने महिला को थप्पड़ जड़ दिया जिससे हंगामा हुआ। ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र में भाजपा नेत्री ने भी पुलिस पर अभद्रता धक्कामुक्की का आरोप लगाते हुए हल्ला किया।

दाज्यू, हमें तो वैसे ही खुशी हो रही है कि सीएम धामी दबादब रोड शो कर रहे हैं। देश-विदेश में उनके शो से हमारे ननकू को भी जोश आ रहा है। वह चेन्नई जाने की जिद करने लगा। बड़ी मुश्किल से मनाया कि धनबल, सत्ताबल और छलबल वाले ही जा पाते हैं। अपना शो तो गाँव से भगवत की दुकान तक रोज ही ठैरा।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

अखिलेश यादव के दौरे के बाद सपा सक्रिय

हरिद्वार लोकसभा सीट

भाजपा सहित अन्य दलों में टिकट के लिये संग्राम होना तय हो चुका

हरिद्वार लोकसभा सीट पर भाजपा सहित विपक्षी दलों में टिकट को लेकर संग्राम तय लग रहा है। विपक्ष गठनबन्धन के साथ लड़ने की बात कहता है लेकिन सपा के अध्यक्ष व यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के देहरादून दौरे के बाद सपा सक्रिय हो चुकी है। अखिलेश ने कहा है- 'गठबन्धन के साथ मिलकर पूरी ताकत से राज्य में चुनाव लड़ेंगे।' हरिद्वार सीट से कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के नाम भी चर्चा है। भाजपा की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक सशक्त दावेदार रहे हैं और आगे भी वह मजबूत दिखाई दे रहे हैं। बावजूद भाजपा टिकट की जुगत में लगे दूसरे नेताओं को कम नहीं आंका जा सकता है। पार्टी संगठन में भी चल रहे चुनाव गणित में अन्त तक इस सीट पर माथापच्ची करनी पड़ सकती है।

मोदी के जादू में प्रदेश की पाँचों सीटों को भाजपा झोली में करना चाहती है लेकिन चल रही हवा में दो सीटों पर घटत दिखाई दे रही है। क्या यह सीट हरिद्वार होगी? इसके लिये अभी से कहना जल्दबाजी है दारोमदार तो टिकट बंटने के बाद ही होगा। बसपा भी हरिद्वार विधानसभा सीटों पर ताकतबर रही है। ये पार्टियां मतदाताओं को कैसे अपने पाले में करेगे यही कारीगरी होगी।

रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट सशक्त दावेदार हैं

नैनीताल लोकसभा सीट

पूर्व विधायक राजेश शुक्ला और पूर्व शिक्षा मंत्री अरविन्द पाण्डे के ताल ठोकने से उनकी ही पार्टी में चर्चे बने और भारी नाराजी दिख रही है

नैनीताल लोकसभा सीट के भाव इस समय प्रदेश की सभी पाँचों सीटों में अधिक माने जा रहे हैं। वह इसलिये क्योंकि हर बड़े नेता की नज़र इस सीट पर है कि भाजपा और कांग्रेस किसे अपना प्रत्याशी बनाते हैं। पं. नारायण दत्त तिवारी, कृष्ण चन्द्र पन्त जैसे दिग्गजों का राजनैतिक गढ़ रही नैनीताल लोकसभा सीट में भाबर-तराई का गणित हमेशा सूझबूझ वाला रहा है लेकिन उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद इसके राजनीतिक गणित को उलझाने वाले सक्रिय हैं। पृथक पर्वतीय राज्य की अवधारणा के विपरीत रहने वाले राजनीति के संरक्षण में समाज में खेमेबाजी, गुटबाजी कर दबंगई करते जा रहे हैं ऐसा यहाँ की विधानसभा सीटों पर दिखाई दिया है। तराई की सीटों पर जिस प्रकार बर्चस्व की लड़ाई में सौहार्द को रौंदा गया है वह इस पर्वतीय राज्य के लिये घातक है।

नैनीताल लोकसभा सीट उ.प्र. के समय नैनीताल-बहेड़ी तक थी जिसमें डॉ. महेन्द्र पाल भी सांसद रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय भट्ट रानीखेत के विधायक के रूप में लोकप्रिय रहे हैं उनके कद को देखते हुए पार्टी ने नैनीताल लोकसभा सीट पर उतारा जिसमें वह सफल रहे। उनके अनुभव और वरिष्ठता को देखते हुए केन्द्र सरकार में उन्हें रक्षा राज्यमंत्री की जिम्मेदारी दी गई। अजय भट्ट लगातार अपनी पार्टी के लिये प्रचारक और कई जगह सेतु का कार्य करते रहे हैं। एक बार तो उनका नाम मुख्यमंत्री की दौड़ में भी गिना जा रहा था।

नैनीताल लोकसभा क्षेत्र में नैनीताल और उधमसिंह नगर जिले आते हैं। जिसमें उधमसिंह नगर जिले की 9 और नैनीताल जिले की 6 विधानसभा सीटें इस लोकसभामें आती हैं। क्षेत्र का 60 फीसदी से अधिक हिस्सा तराई क्षेत्र का है और 40 फीसदी पर्वतीय इलाका। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आते जा रहा है इसमें तराई के नेता अपना गणतीय हिसाब लगा रहे हैं।

जबकि अजय भट्ट अपनी लोक सभा में एकतरफा जुटे हुए हैं। लगातार कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी, सरकार व संगठन में तालमेल तथा कार्यकर्ताओं के बीच सक्रियता से सीधा सा सन्देश है कि वह अपनी पार्टी के सशक्त दावेदार हैं। ऐसे में उनकी पार्टी का कोई दूसरा नेता ताल ठोकता है तो सीधी सी बात है वह अजय भट्ट को चुनौती ही है। हालांकि अपनी दावेदारी का अधिकार तो सबको है। मोदी का जादू देखते हुए इच्छा तो कई रख रहे हैं लेकिन ताल ठोकने में गदरपुर के ताकतबर नेता और पूर्व शिक्षा मंत्री अरविन्द पाण्डे का नाम पहले आ रहा है। प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री पाण्डे पूर्वी क्षेत्र के लोगों को लेकर ध्रुवीकरण करते रहे हैं। उनका दावा हो सकता है लेकिन संसदीय सीट में भाजपा उन्हें किस पायदान पर रखती है वह समय बतायेगा। पाण्डे 5 बार विधायक रहे हैं। बाजपुर सीट से वह विधायक रहे फिर इस सीट के आरक्षित होने पर वह गदरपुर से विधायक बने। पाण्डे की ओर से सम्पर्क और विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से माहौल बनाया जा रहा है। हल्द्वानी की एक संस्था में इनके नाम पर भारी फजीहत हुई। दरअसल पाण्डे जी को मुख्यअतिथि बना दिया गया लेकिन मुख्य मुद्दे से हटकर चुनाव के लिये इनकी तरफदारी होती देख संस्था के कई पदाधिकारी नाराज हो गये और कहा यह पार्टी का कार्यक्रम नहीं है।

टिकट के लिये ताल ठोकने वाले किच्छा के विधायक राजेश शुक्ला की भर इस समय खूब चर्चा इसलिये हो रही है कि जोश में आकर काम करने वाले शुक्ला ने अपनी बर्थडे पार्टी के बहाने नैनीताल लोक सभा सीट पर जगह-जगह उनको बधाई देने के लिये होर्डिंग, बैनर, पोस्टर लगवा दिये जिसमें बीजेपी के तमाम नेताओं के फोटो थे। इसे लेकर पार्टी नेताओं ने ही नाराजी दिखाते हुए कहा कि अपने जन्मदिन के होर्डिंग, पोस्टर पर किसी का फोटो लगाने से पहले अनुमति लेनी चाहिये। नेताओं की आपत्ति के बाद विवाद तो बढ़ना ही था, सो टिकट से पहले का धुंआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भाजपा इस बार बहुत तोलकर टिकट दे रही है। ऐसे में अजय भट्ट जैसे ताकतबर नेता को किनारे नहीं किया जा सकेगा। यह बात दूसरी है कि जब भी चुनाव होंगे उस समय दूसरी पार्टियों और इस पार्टी के भीतर कैसी उथल-पुथल होगी, यह समय के गर्भ में है। ऐसा ही कुछ कांग्रेस में भी हो रहा है। टिकट के लिये दिग्गजों के नामों की चर्चा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

अवैध खनन का खौफनाक खेल

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

देवभूमि उत्तराखण्ड में जहाँ प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा राज्य को किसी तरह से भ्रटाचार मुक्त बनाने के दावे किए जाते हैं वहीं कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की मिली भगत से प्रदेश में धड़ल्ले से अवैध खनन का कारोबार किया जा रहा है। प्रदेश की बड़ी नदियों से लेकर छोटी नदियों में दिन रात खनन का काम चल रहे हैं ऐसे खनन माफियाओं को प्रशासन का कोई भय नहीं रहा आखिर किसकी मिलीभगत से अवैध खनन के कारोबार चल रहे हैं और तो और पिछले काफी समय से ऋषिकेश हरिद्वार गंगा नदी में से खनन माफियाओं द्वारा सरेआम खनन किया जा रहा है जबकि इन्ही गंगा घाटों पर दिन भर हजारों श्रद्धालु स्नान करने के लिए आते हैं। गंगा नदी के जिस स्थानों से खनन का काम किया जा रहा है वहीं से कुछ दूरी पर ही पुलिस चौकी स्थित है इसके बावजूद इन खनन माफियाओं द्वारा सरेआम खनन किया जा रहा है देहरादून जिले में स्थित थाना रायवाला क्षेत्र में पढ़ने वाले हरिपुर कलां के परमार्थ घाट गीता कुटीर के पास गंगा नदी से सुबह पांच बजे से ही कई घोड़े खच्चरों से रेता निकालने का काम शुरू हो जाता है जो कि दोपहर तक निकाला जाता है खनन कारोबारी घोड़े खच्चर से कई कुन्टल रेता निकाल कर हरिपुर कलां में ही अपने अड्डे पर इकट्ठा कर रहे हैं जो कि दिन भर हजारों रुपए में बेचने का खेल शुरू हो जाता है इन खनन माफियाओं के अड्डे से पुलिस कर्मियों का आना जाना लगा रहता है लेकिन ना जाने क्यों सब कुछ देखने के बावजूद इन खनन माफियाओं पर कार्यवाही नहीं की जाती ç ा ान के उच्च अ िकारियों को ऐसे खनन माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही करनी चाहिए जिससे देवभूमि उत्तराखण्ड में ऐसे खनन कारोबारियों पर नकेल कसी जा सके।

उत्तराखण्ड राज्य, विकास की नई ऊँचाईयों को छू रहा है। आए दिन सरकार राज्य की जनता के सामने अपने विकास को लेकर उन्हें यकीन दिला रही है कि उत्तराखण्ड विकास की राह पर किस तेजी से आगे बढ़ रहा है। हालांकि विकास की जो छवि जनता को दिखाई जा रही है, वह हकीकत से कितना इत्तफाक रखती है यह कहना बहुत मुश्किल है? उत्तराखण्ड का निर्माण हुए दो दशक से अधिक का समय बीत चुका लेकिन कुछ दुश्वारियां आज भी जस की तस बनी हुई है। अगर इन दुश्वारियों को रैंक के हिसाब से पिरोया जाए तो पहला स्थान अवैध खनन को ही हासिल होगा। राज्य निर्माण के बाद से आज तक न जाने कितनी सरकारें आई और कितनी सरकारें गई लेकिन कोई भी सरकार अवैध खनन के गोरखधन्धे को पूर्ण रूप से रोकने में सफल नहीं हो पाई। हाँ, इतना जरूर है कि जब कभी भी विभागीय अधिकारियों पर दबाव पड़ता है तो उनकी टीमें जरूर अवैध खनन से भरी कुछ गाड़ियों को पकड़कर यह जताने से पीछे नहीं हटती कि उन्होंने अवैध खनन पर कितनी बड़ी कार्रवाई की है। राज्य में अवैध खननके काले कारोबार का फैलाव एक वायरस की तरह हो रहा जो कि धीरे-धीरे प्राकृतिक स्रोत से बहने वाली नदियों की हस्ती को मिटाने का कार्य कर रहा है। मौजूदा समय में तो आलम यह है कि अवैध खनन का खेल अब खौफनाक हो गया है। खनन माफिया बदमाशों की तर्ज पर ताण्डव मचाते हुए नजर आ रहे है। बेलगामी और बेखौफी का आलम तो यह है कि यह खनन माफिया किसी भी पुलिसकर्मी या किसी आम आदमी पर खनन के वाहन चढ़ाने से भी पीछे नहीं हट रहे है? सरकार के खनन विभाग से लेकर उत्तराखण्ड पुलिस के आला अधिकारियों के पास दबंग कर्मचारियों की अच्छी खासी फौज मौजूद है लेकिन बावजूद इसके वे लगातार खुलेआम हो रही काले सोने की चोरी को रोकने में उनकी नाकामी किसी से छिपी नहीं है। 'क्राईम स्टोरी' लगातार खनन माफियाओं की पोल खोलता आ रहा है लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि न तो पुलिस और न ही खनन विभाग इसके खिलाफ कोई एक्शन लेने में रुचि दिखाते हुए नजर आते है? हाँ, अब इतना जरूर है कि दो दिन पूर्व कैंट कोतवाली क्षेत्र में हुई घटना के बाद पुलिस जरूर हरकत में आई है। अब सवाल यह उठता है कि पुलिस तभी नींद से जागी जब उसके एक कर्मचारी पर हमला हुआ जबकि खनन माफिया तो लगातार नदियों का सीना चीर कर वहाँ से सरकार का काला सोना चुरा रहे है? सफेदपोशों और खनन माफियाओं के गठजोड़ की चर्चाएं उत्तराखण्ड में आम है। राज्य के किसी भी जनपद में जब भी अवैध खनन का मुद्दा प्रकाश में आया है तो उस गोरखधन्धे को अंजाम देने वाले माफियाओं के साथ किसी न किसी सफेदपोश का भी धीमें से उठा ही है? यही वह गठजोड़ है जिसके चलते विकास की राह पर अग्रसर राज्य उत्तराखण्ड आज तक अवैध खनन के दानव से मुक्ति नहीं पा सका है। खनन माफियाओं के हौसलें अब इतने बुलन्द हो चुके हैं कि वह जो काम छिपते छिपाते करते थे उसे अब वह बेखौफ होकर खुलेआम कर रहे है और तो और यदि कोई उनके रास्ते का रोड़ा बनने की कोशिश करता है तो वह उसे रास्ते से हटाने के लिए भी तैयार रहते है। बता दें कि कैंट कोतवाली से कुछ किलोमीटर दूरी पर जैंतनवाला के समीप एक खनन माफिया ने कैंट कोतवाली के पुलिसकर्मी के ऊपर खनन सामग्री से भरा ट्रैक्टर चढ़ा दिया था। बताया जा रहा है कि इस घटना की गूंज सीएम दरबार तक जा पहुँची और मुख्यमंत्री ने स्वयं इसका संज्ञान लेते इस घटना पर कड़ी नारजगी जताई और पुलिस महानिदेशक को दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद डीजीपी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को घटना में शामिल चारों आरोपित भाइयों को तत्काल गिरफ्तार करने के आदेश दिए थे। वहीं, डीजीपी के आदेश पर कैंट कोतवाली निरीक्षक को लाइन-हाजिर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर-ट्राली चढ़ाने के आरोपित ट्रैक्टर चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब उसके तीन भाइयों को तलाश रही है। चारों भाइयों पर अवैध खनन करने और सिपाही पर ट्रैक्टर ट्राली चढ़ाने का आरोप है। चारों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मात्र दो दिन के भीतर पुलिस के आला अधिकारियों ने जिस तेजी के साथ इस घटना में खुलासों को लेकर जो फुर्ती दिखाई है। अगर ऐसी ही फुर्ती वे समूचे राज्य में चल रहा अवैध खनन के खिलाफ दिखा दें तो खनन माफियाओं के दिल में भी उनका डर स्थापित होगा लेकिन ऐसा कभी सम्भव हो पाएगा, इस सवाल को जवाब तो भविष्य के गर्भ में ही कैद है? उत्तराखण्ड में अवैध खनन का कारोबार खूब फल-फूल रहा है खनन माफिया नदियों का सीना चीर अवैध खनन को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं जानकारी के मुताबिक पूरे देहरादून जिले की नदियों में अवैध खनन के कारोबार में यूपी से आए लोग सलिप्त हैं। इनके साथ मजदूर भी... जानकारी के मुताबिक पूरे देहरादून जिले की नदियों में अवैध खनन के कारोबार में यूपी से आए लोग सलिप्त हैं। इनके साथ मजदूर भी हिमाचल बार्डर पर बहने वाली यमुना, कालसी, टोंस और आसन नदी क्षेत्रों में भी रात में अवैध खनन के लिए ट्रैक्टर, डम्पर सहित आए लोग सलिप्त हैं। देश की सबसे बड़ी आडिट एजेंसी कैग की रिपोर्ट में उत्तराखण्ड में अवैध खनन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में सामने आया है कि देहरादून जिले की तीन प्रमुख नदियों (सौंग, ढकरानी और कुल्हाल) से एम्बुलेंस और शव वाहनों से भी अवैध खनन ढोया गया है।

ज्योतिष की बातें - 151

ज्योतिष सम्बन्धी स्थायी स्तम्भ का यह 151 वाँ भाग पिघलता हिमालय के पाठकों के स्नेह और सम्पादक महोदय के सहयोग से अपने तीन वर्ष पूर्ण कर चौथे वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अगले वर्ष भी इसी प्रकार साप्ताहिक ग्रह गोचर के साथ मुख्य मुख्य व्रत-पर्वों का मुहूर्त और संक्षिप्त महत्व भी दिया जाता रहेगा।

6 नवम्बर 2023 को बुध समराशि वृश्चिक में प्रवेश करेगा। वहाँ पर शनि की दृष्टि भी रहेगी। अगले 21 दिन बुध अपने कारक विषयों बुद्धि, व्यापार आदि में तुला, सिंह, मिथुन, मेष, कुम्भ, व मकर राशि के जातकों को सामान्य शुभ फल प्रदान करेगा। अन्य राशियों के लिए भी बुध सामान्य फलदायक रहेगा।

धन्वन्तरि जयन्ती- कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी तदनुसार शुक्रवार 10 नवम्बर 2023 को आयुर्वेद के प्रवर्तक भगवान धन्वन्तरि का पूजन किया जाएगा।

धनतेरस- कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी प्रदोष व्यापिनी तिथि तदनुसार शुक्रवार 10 नवम्बर 2023 को धनतेरस का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन प्रदोषकाल में यम निमित्त दीपदान किया जाता है।

नरक चतुर्दशी अर्थात् छोटी दिवाली- कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी प्रत्यूषकाल एवं चन्द्रोदय व्यापिनी तिथि तदनुसार शनिवार 11 नवम्बर 2023 को नरक चतुर्दशी का पर्व मनाया जाएगा।

दीपावली- कार्तिक कृष्ण पक्ष अमावस्या प्रदोष व्यापिनी तिथि तदनुसार रविवार 12 नवम्बर 2023 को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन गणेश लक्ष्मी व दीपमालिक का पूजन किया जाता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक् विचार- 42

पानी का झगड़ा

इस समय अपने देश में बहुत से नदी जल विवाद चल रहे हैं । कृष्णा जल विवाद जो कि आन्ध्र, कर्नाटक, महाराष्ट्र आदि प्रान्तों के मध्य है। कावेरी जल विवाद जो कि केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु के मध्य है। गोदावरी जल विवाद जो कि आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उड़ीसा आदि प्रान्तों के मध्य है। नर्मदा जल विवाद जो कि मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र प्रान्तों के मध्य है। रावी-व्यास जल विवाद जो कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान प्रान्तों के मध्य चल रहा है। इसी प्रकार एक से अधिक राज्यों में बहने वाली अन्य नदियों के भी जल विवाद उपस्थित होते रहते हैं। कभी-कभी ये जल विवाद भयंकर शत्रुता में परिवर्तित हो जाते हैं। पानी की कमी होने पर ऊपर के राज्य बांध में सारा पानी इकट्ठा कर लेते हैं जिससे नीचे के राज्यों में भयंकर सूखा पड़ जाता है। बाढ़ के समय ऊपर के राज्य बांध के गेट खोल देते हैं तो नीचे बाढ़ आ जाती है। इसी प्रकार सिन्धु नदी जल विवाद, ब्रह्मपुत्र नदी जल विवाद भी चलता रहता है। प्राय: एक दूसरे को समझौता तोड़ देने की, पानी रोक लेने की अथवा डुबा देने की धमकी देते रहते हैं।

इन सब विवादों की जड़ वास्तव में बड़े-बड़े बांधों का निर्माण ही है। बांध निर्माण के पीछे भावना यही रहती है की सम्पूर्ण नदी के पानी पर कब्जा कर लिया जाए फिर दूसरे को जितना आवश्यक हो उतना छोड़ा जाए । यह भावना गलत है। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना अपने लिए आवश्यक हो उतना रख लिया जाए शेष का दूसरों के लिये त्याग कर दिया जाए। और फिर जल प्राकृतिक वस्तु है इस पर किसी का एकाधिकार नहीं हो सकता। नदी जहाँ-जहाँ बहती है उन सभी लोगों का अधिकार उसे नदी के जल पर होता है। किसी का एकाधिकार गलत है।

इन विवादों का एक ही उपाय है कि नदी के सम्पूर्ण पानी को रोक देने वाले विशालकाय बांधों को समाप्त किया जाए और नदी के आंशिक जल को रोककर आवश्यकतानुसार छोटे-छोटे बांध ही बनाए जाएँ और फिर बड़े-बड़े बांधों से पर्यावरण का विनाश ही होता है।

-सरल

५ साल इंतजार के बाद २०२८ में दिखाई देगा जमरानी बांध

हल्द्वानी। जमरानी बांध को केन्द्रीय स्वीकृति बाद उत्साह का माहौल है लेकिन अभी 5 साल का इन्तजार करना होगा। वर्ष 2028 में जमरानी बांध का सपना साकार होगा। मण्डलायुक्त दीपक रावत ने कैम्प कार्यालय में जमरानी बांध प्रोजेक्ट की समक्षा बैठक करते हुए कहा कि लम्बे समय से मुख्यमंत्री एं मुख्य सचिव से इस प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग की जा रही थी। इस प्रोजेक्ट को अन्तिम पुनर्वास नीति मण्डलायुक्त स्तर पर निस्तारित होने के बाद स्वीकृति होगी। उन्होंने बताया कि जमरानी बांध से प्रोजेक्ट से 6 गाँव के 1261 परिवार प्रभावित हुए थे। इन परिवारों का पुनर्वास उधमसिंह नगर के प्रयाग फार्म में 3005 एकड़ भूमि में प्रस्तावित है। इन्हें भूखण्ड आर्वटित करने की प्रक्रिया गतिमान है। जमरानी बांध प्रोजेक्ट के महाप्रबन्धक प्रशान्त विश्नोई ने बताया कि इसकी प्रस्तावित लागत वर्ष 2018 में 2543.1 करोड़ थी जो वर्तमान में बढ़कर 3756 करोड़ हो गई है। शेष लगभग 1200 करोड़ धनराशि हेतु शासन को पत्र भेजा जा चुका है। जिलाधिकारी वन्दना ने बताया है कि जमारानी बांध बनाए जाने से पहले प्रशासन ने 33 आपत्तियां सुनकर निस्तारित कर दी हैं।

इस प्रकार जमरानी बांध की बहुउद्देशीय योजना का सपना 2028 में पूरा होता दिखाई देगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

संस्कृत कालेजों को उनका सम्मान दो

देहरादून। संस्कृत विद्यालय, महाविद्यालय शिक्षक संघ ने संस्कृत महाविद्यालयों को विद्यालय का दर्जा देने पर नाराजगी जताते हुए संस्कृत कालेजों को सम्मान देने की बात कही है। संगठन ने कहा कि वह मामले में पहले विभागीय अधिकारियों व मंत्रियों से मिलकर जारी शासनादेश को बदलने को कहेंगे। यदि बात नहीं मानी तो न्यायालय जाएंगे। महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को उच्चशिक्षा का वेतन मिलना चाहिये।

उक्रांद की समन्वय समिति गठित

देहरादून। उक्रांद के केन्द्रीय अध्यक्ष पूरण सिंह कठैत ने समन्वय समिति गठित की है। जिसमें सुनील ध्यानी, महेन्द्र सिंह रावत, विपिन रावत, विजय बौड़ाई, विजयन्त सिंह, सुशील उनियाल, जगदीश कठायत, विजेन्द्र रावत को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य समन्वय बनाकर संगठन की मजबूती का काम करेंगे।

महानगर से बाहर बने बस अड्डा

हल्द्वानी। प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा ने शहर के बीचोंबीच बने बस अड्डे को यातायात समस्या व हादसों का भय का कारण बताते हुए बस अड्डा महानगर सीमा से बाहर बनोन की मांग की है। उन्होंने शहर की यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिये बस अड्डे की इस व्यवस्था को जाँचने को कहा है।

ढिकाला जोन ८ दिसम्बर तक पैक

रामनगर। कार्बेट का प्रसिद्ध ढिकाला जोन आठ दिसम्बर तक पैक हो चुका है। प्रत्येक वर्ष ढिकाला समेत बिजरानी, ढेला, झिरना आदि जोनों में 15 नवम्बर तक विश्राम की व्यवस्था शुरु हो जाती है। पर्यटकों की बेहद मांग कार्बेट में रही है, ऐसे में ढिकाला सबसे पसंदीदा होने से पहले ही बुक होता जा रहा है।

पूर्णागिरी में फिर से पुरानी व्यवस्था

टनकपुर। पूर्णागिरी धाम में कपाट नवरात्र के लिये खोले गये कपाट बन्द हो चुके हैं। मन्दिर समिति के अध्यक्ष किशन तिवारी ने बताया कि रात 8 बजे से प्रातः 6 बजे तक मुख्य मन्दिर बन्द रहेगा। 31 दिसम्बर तक यह व्यवस्था रहेगी।

विधायक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

लोहाघाट। अटल उत्कृष्ट जीजीआईसी की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर विद्यालय के शिक्षक गणेश पुनेठा के नेतृत्व में शिष्टमण्डल ने विधायक खुशाल सिंह अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कहा रिक्त पदों को भरा जाए, विद्यालय की छत की मरम्मत हो, रंग रोगन व मरम्मत करवाई जाए।

उद्यान घोटाले में कोर्ट के आदेश के बाद विपक्ष ने भी मुद्दा बनाया

देहरादून/हल्द्वानी। उद्यान घोटाले में उच्च न्यायालय के सीबीआई जाँच के आदेश के बाद विपक्ष ने भी मामले को मुद्दा बनाते हुए मंत्री व रानीखेत विधायक के इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस ने प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन करने के अलावा ज्ञापन प्रेषित करते हुए कहा कि उद्यान मंत्री गणेश जोशी और रानीखेत विधायक प्रमोद नैनवाल को इस्तीफा देना चाहिये। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा है कि न्यायालय के आदेश से सिद्ध हो गया है कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार में आकण्ठ डूबी है। सत्तादल के रानीखेत विधायक के कथित बगीचे में फर्जी पेड़ लगाने का प्रमाण पत्र निर्गत होने से यह यह भी पता चल रहा है कि इस घोटाले में निदेशक बवेजा ही नहीं बल्कि प्रदेश सरकार और भाजपा के विधायक और नेता शामिल हैं। कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा है कि कोर्ट की फटकार के कारण ही कार्रवाही हो रही है अन्यथा मामला दबा दिया जाता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट कह रहे हैं भाजपा पारदर्शी कार्य करेगी।

३८ साल बाद नैणी देवी यात्रा

उत्तरकाशी। 38 साल बाद कोट-भटियाणा भुलाणी की नैणी देवी (नगनी माता) की यात्रा जारी है। यात्रा पहाड़ पर आते ही ग्रामीणों द्वारा डोली की पुष्पवर्षा से आगवानी की जा रही है। अपने अराध्य की यात्रा विदाई पर श्रद्धालुओं की आँखें नम हो जाती हैं।

भटियाण गाँव के लक्ष्मी नारायण मन्दिर में लोगों ने विराजमान नैणी देवी, भुमियाल देवता, लाटू देवता के निषाणों को सुसज्जित कर विधि विधान से पूजन किया। जागर गीतों से नैणी देवी का आह्वान किया गया। भुमियाल देवता की अगुवाई में नैणी देवी के निषाण से लक्ष्मी नारायण मन्दिर की परिक्रमा करने के बाद भटियाण गाँव से देवर यात्रा के लिये प्रस्थान हुआ। ढोल-नगाड़ों के साथ देवी की यात्रा ग्राम से रवाना हुई तो उपस्थित जन भावुक हो गये। मांगल गीतों के साथ अपने अराध्य को विदा किया। देवी की देवरा यात्रा अपने रात्रि पड़ाव सुनभो गाँव पहुँची। प्रतीक्षारत ग्रामवासियों ने यात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इसके बाद कोथरा गाँव में पड़ाव रहा और क्रम जारी है। इस यात्रा में समिति के अध्यक्ष दिवाकर डिमरी, द्वारिका देवराड़ी, नरेश देवराड़ी, कल्पेश्वर रतूड़ी आदि हैं।

डीडीहाट में दो माह से आन्दोलन

डीडीहाट। क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने की मांग को लेकर पिछले दो माह से भी अधिक समय से निरन्तर आन्दोलन जारी है। संयुक्त संघर्ष समिति के अनिश्चितकालीन धरने में डीडीहाट व आसपास के तमाम ग्रामों का समर्थन मिल रहा है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बोरा के नेतृत्व में चल रहे प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि डीडीहाट अस्पताल में डिजिटल एक्सरे, अल्ट्रासाउंड सुविधा और नया भवन बनाये जाने की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन किया जा रहा है लेकिन सरकार कतई गम्भीर नहीं है। इस आन्दोलन के बाद डिजिटल सक्सरे की मांग तो पूरी हुई है लेकिन शेष दो मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। कहा कि दूरस्थ क्षेत्र में चिकित्सा सेवा के उचित बन्दोबस्त होने चाहिये। इस मौके पर राजेश सिंह कन्याल, इन्द्र सिंह खोलिया भी थे।

सितारगंज में अपराधों की बढ़त हुई

सितारगंज। शहर में अपराधों की बढ़त हुई है। शान्त व खेती-किसानी के लिये पहचान रखने वाले सितारगंज में इंडस्ट्रीयल विकास के साथ ही अपराध बढ़े हैं। इस बीच नकली हर्बल दवा बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ में आई है। एसटीएफ ने गिरोह का पर्दाफाश करते हुए भारी मात्रा में नकली दवा बरामद की और इनके सैम्पल जाँच के लिये भेजे हैं। पुलिस के अनुसार पिछले काफी समय से एसटीएफ को हर्बल नकली दवाई खरीदने की जानकारी मिल रही थी। इसकी छानबीन में थारू गौरी खेड़ा इलाके पर छापेमारी की गई तो पूरी फैक्ट्री ही मिली। पूछताछ में पता चला कि लम्बे समय से युवक गिरोह बनाकर नकली हर्बल दवाइयों को बनाने का धन्धा कर रहे थे। और दवाइयों को ज्यादातर ऑनलाइन तरीके से बेचा जाता था। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लेकर जाँच शुरु कर दी है। एसटीएफ ने स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर यह कार्रवाई की।

पीएम आवास का निर्माण समय से हो

रुद्रपुर। सचिव मुख्यमंत्री डॉ. सुरेन्द्र नारायण पाण्डे ने बाग्वाला में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत बन रहे 1872 आवास का स्थलीय निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही सितम्बर 2024 तक निर्माण कार्य समय से पूरा करने के निर्देश दिये। डॉ.पाण्डे ने आर्किटेक्ट और थर्ड पार्टी से समय-समय पर निरीक्षण करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने निर्माणाधीन बालीबाल कोर्ट एवं वेलोड्रम का स्थलीय निरीक्षण किया और कहा कि इन्डोर हॉल में खिलाड़ियों को गर्मी न लगे, इससे निजात दिलाने के लिये सभी व्यवस्थाएं की जएं। इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाए कि हॉल में पानी की निकासी के लिये समुचित व्यवस्था हो। इस मौके पर सीडीओ विशाल मिश्रा, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण हरीश चन्द्र काण्डपाल मौजूद थे।

अवैध होमस्टे पर पर्यटन विभाग सख्त

नैनीताल। पर्यटन कारोबार के बीच अवैध होम स्टे भी सरदर्द बनते जा रहे हैं। यहाँ होने वाले अवैध-अनैतिक कार्यों की चर्चा भी होती है। ऐसे में पर्यटन विभाग ने सख्ती शुरु कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दौरे में स्थानीय लोगों ने भी इस ओर ध्यान दिलाया था जिसपर सीएम ने पर्यटक विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। बताया जा रहा है कि होम स्टे योजना के तहत ऋण केवल उत्तराखण्ड राज्य के स्थाई निवासी को ही मिल पाएगा। लेकिन बाहरी व्यक्ति भी अपने निवेश से होम स्टे खोल सकता है। ऐसे में बाहरी राज्यों से लोग उत्तराखण्ड में खरीदे गये अपने घरों को होम स्टे में परिवर्तित कर कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में स्थानीय संचालकों का काम प्रभावित हो रहा है। जिला पर्यटन अधिकारी बी.एस.कपकोटी ने बताया कि पूर्व में अवैध होम स्टे के खिलाफ अभियान चलाया गया था जिसमें कई होम स्टे चिह्नित किये गये थे। एक बार फिर बिना पंजीकरण के अवैध रूप से चल रहे होमस्टे की जाँच की जाएगी।

बद्रीनाथ कपाट १८ नवम्बर को बंद होंगे

चमोली। केदारनाथ धाम 15 को प्रातः 8.30 बजे और बद्रीनाथ धाम के कपाट 18 नवम्बर को अपरान्ह 3.33 बजे बन्द होंगे। धाम में आयोजित धार्मिक समारोह में रावल ईश्वरी प्रसाद नम्बूदरी ने आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी को साक्षी मानकर कपाट बन्द करने की तिथि घोषित की। इसी प्रकार गंगोत्री धाम 14 व यमुनोत्री धाम 15 नवम्बर को बन्द हो जाएंगे।

२५ दिसम्बर को होगा अनुसूया मेला

गोपेश्वर। सती माता अनुसूया दत्तात्रेय मेले का आयोजन 25-26 दिसम्बर को होगा। अनुसूया मन्दिर के मुख्य पुजारी अंकित सेमवाल ने पंचाग पूजा कर दत्तात्रेय जयन्ती मेले की तिथि घोषित की। उन्होंने बताया कि मेले में 25 को सभी डोलियां व अनुसूया के दरवार अनुसूया आश्रम पहुँचेगी। 26 को सभी डोलियां अपने गंतव्य को जायेंगे। मेले की तैयारी शुरु हो चुकी है।

परिक्रमा

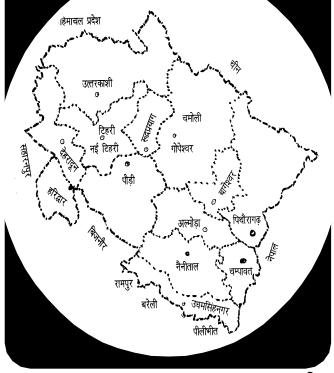

प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया

श्रीनगर। हेमवती नन्दन विश्वविद्यालय के उच्च शिखरीय पादप कार्थिकी शोध केन्द्र में राष्ट्रीय कार्यशाला के मौके पर कुलपति अन्नपूर्णा प्रो. नौटियाल द्वारा विभिन्न जनपदों सहित बाहरी राज्यों के प्रगतिशील किसानों एवं पर्यावरण विद्दों को सम्मानित किया गया। इनमें बच्चीराम ढौंडियाल, भवन सिंह कण्डारी, डॉ.हरिश चन्द्र अन्डोला, डॉ.दरपाल सिंह नेगी, कृपाल सिंह, नरेश खण्डूरी आदि हैं।

आदिबद्री में स्नानागार को ३५ लाख रुपये

चमोली। पंच बदरी में एक आदिबद्री मन्दिर के दर्शन के लिये पहुँचने वाले तीर्थयात्रियों को स्नान व शौच के लिये सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। पर्यटन विभाग ने तीर्थयात्री सुविधा के लिये 35 लाख रुपये की लागत से स्नानागार और शौचालय बनाने की योजना बनाई है। मन्दिर समिति द्वारा पहले से इसकी मांग की जा रही थी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जोहार महोत्सव २०२३

संस्कृति के साथ लीक पर चलने का संकल्प

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी। जोहार सांस्कृतिक एवं वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित जोहार महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बहार रही। आयोजन में संस्कृति के साथ लीक पर चलने का संकल्प लिया गया। पिछले 14 साल से निरन्तर आयोजित हो रहे इस आयोजन में इस बार भी सांस्कृतिक जुलूस के साथ इसकी शुरुआत की गई। जोहार मिलन केन्द्र से जुलूस घूमता हुआ आयोजन स्थल एमबी इण्टर कालेज के मैदान में पहुँचा, जहाँ तीन दिन तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कलाकारों ने अपनी मंचीय प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न जानकारियों से लबरेज स्टालों में ज्यादातर खानपान सम्बन्धी थे। लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये हस्तशिल्प व घरेलू उत्पादों को भी लगाया गया था। रं समुदाय की ओर से जसुली बूढ़ी शौक्याणी की जानकारी देता स्टाल का संचालन नरेन्द्र पंचाचूली द्वारा किया गया। महोत्सव में कुमाउंनी गायन, कविता, लेखन, बच्चों की चित्रकला, सामान्य ज्ञान, फैन्सी ड्रेस, व्यंजन की प्रतियोगिता के अलावा शौका भाषा के मानकीकरण पर चर्चा हुई। कालाकारों में जोहारी महिला समूहों की सुन्दर प्रस्तुति देखने को मिली। इस बार के आयोजन में चाँदनी इन्टरप्राइजेज की ओर से गायन प्रतियोगिता का शो भी अन्तिम दिन रहा।

कार्यक्रम संचालन में नरेन्द्र सिंह टोलिया व कैलाश धर्मशक्तू लगातार जानकारी देते रहे। सोसाइटी के संरक्षक गजेन्द्र सिंह पांगती, अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह पांगती, महासचिव धीरेन्द्र सिंह पांगती, मिलन केन्द्र अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू, नरेन्द्र सिंह जंगपांगी, ठाकुर सिंह मपवाल, केदार बृजवाल, ध्रुव मर्तोलिया, डॉ. एन.एस. पांगती, भूपेश पांगती, भरत सिंह रावत, के.एस.पांगती, डी.एस.धर्मशक्तू, एन.एस. मर्तोलिया, टी.एस.बृजवाल, कमला पांगती, बसन्ती टोलिया, गीता रावत, कैलाश पांगती, नवीन पांगती सहित तमाम लोग मौजदू थे।

कण्डाली विजय उत्सव

अभिशप्त, अवगुणी वनस्पति को नष्ट कर झूमे

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

धारचूला। सीमान्त की चौदास घाटी में बारह वर्ष के अन्तराल में होने वाले कण्डाली उत्सव को धूमधाम से मनाया गया। रं समाज द्वारा 12 वर्ष के बाद कण्डाली उत्सव चौदास के तीन गाँवों में मनाया गया। इसमें अवगुणी, अभिशप्त मानी जाने वाली कण्डाली वनस्पति को नष्ट किया गया। स्थानीय परम्परा के अनुसार यह उत्सव मनाया जाता है। मानते हैं कि कण्डाली वनस्पति में 12 वर्ष में 12 गांठ बनकर बन जाती हैं और फूल खिलता है। इसी वनस्पति को नष्ट कर उत्सव मनाते हैं। चौदास घाटी के रूंग, सिर्खा और रौतेलागांव से उत्सव की शुरुआत हुई। क्षेत्रवासी पारम्परिक वेषभूषा में युद्ध लड़ने की मुद्रा के साथ तलवार, डण्डे लेकर जंगल पहुँचे। सुखनाथ के बाद सामुहिक भोज व सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर विधायक हरीश धामी, व्यापार संघ अध्यक्ष बी.एस.थापा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सिर्खा में हुए विजयोत्सव के विशेष आयोजन में महिला पुरुषों ने गाँव से ढेड़ किलोमीटर दूर चिदांग यर नामक मैदान में पारम्परिक वेशभूषा में ढोल नगाड़ों के साथ नृत्य करते हुए कण्डाली पौध को नष्ट कर खुशी मनाई। मंगल दल के अध्यक्ष राजेश सिंह ह्यांकी ने बाहर से पधारे अतिथियों का स्वागत किया। विधायक हरीश धामी ने सांस्कृतिक समारोह का उद्घाटन किया। लोक कलाकार गीता देवी, शर्मिला और सोनी देवी की टीम ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। ग्राम की विवाहित बेटियां गोदावरी, अर्चना, अंकिता, डमस्या व साथियों ने रं गीत और स्थानीय कलाकारों ने सुमधुर प्रस्तुतियां दीं।

विधायक श्री धामी ने ग्रामवासियों को कण्डाली विजयोत्सव की बधाई देते हुए 11 हजार की सहयोग राशि आयोजन में दी। इस अवसर पर 50 से अधिक बेटियां और दामदों को सम्मानित किया गया। नेपाली छांगरू से पहुँची 87 वर्षीय नथमा लाला, गुंजी की 85 वर्षीय शान्ति गुन्जयाल, अर्चना गुन्जयाल, गोदावरी गर्ब्याल मौजूद थीं। संरक्षक महिमन सिंह ह्यांकी ने कण्डाली उत्सव के इतिहास के बारे में बताया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

नरेन्द्र सिंह जंगपांगी
लक्ष्मी विहार, मल्ली बमौरी
दोनहरिया, हल्द्वानी

ध्रुव सिंह मर्तोलिया
(वन संरक्षक)
विकास नगर कालोनी
दोनहरिया, हल्द्वानी

बिल्जू इन
हिमालय की वादियों में
होटल एण्ड रेस्टोरेंट
मुनस्यारी

लोकसभा के बाद होंगे निकाय चुनाव

निकायों के वार्ड परिसीमन के अलावा आरक्षण निर्धारण होना है

देहरादून। अभी के हालातों में दिखाई दे रहा है कि निकाय चुनाव लोकसभा के बाद होंगे क्योंकि अभी निकायों के वार्ड परिसीमन के अलावा आरक्षण निर्धारित होना है।

बताया जा रहा है कि निकाय चुनाव के लिये वोटर लिस्ट बनाने की प्रक्रिया शुरु होने के साथ ही निकायों में कुछ समय के लिये प्रशासक नियुक्त होना तय है। निकायों का कार्यकाल दो दिसम्बर को पूरा हो रहा है जबकि वोटर सूची फरवरी तक बन पायेगी। ऐसे में निकायों प्रशासक नियुक्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता हे। फरवरी में जब वोटर सूची तैयार होगी, उस समय लोकसभा चुनाव के लिये आचार संहिता भी लगनी हे। ऐसे में सरकारी मशीनरी पूरी तरह चुनाव तैयारी में जुटी रहेगी।

प्रदेश में अभी 98 निकायों के वार्ड परिसीमन का कार्य होना है। साथ ही वोटर सूची व आरक्षण प्रक्रिया शुरु होते ही दो चरणों में आरक्षण लागू होगा। शहरी विकास निदेशालय निकायों में वार्डवार एससी, एसटी, ओबीसी और महिला आरक्षित सीटों की अधिसूचना जारी करेगा। इस बीच तैयारी में लगे नेता अपना अभियान जारी रखे हुए हैं।

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग
मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

MARTOLIA
FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)